(DHIND 01)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

हिन्दी साहित्य का इतिहास

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन के आधार एवं परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

2. हिन्दी साहित्य का उद्भव एवं विकास की आलोचना कीजिए।

3. आदिकाल के विशिष्ट रचना-प्रवृत्तियों की समीक्षा कीजिए।

4. रासो साहित्य में व्यापक साहित्यिक विशेषताओं को समझाइए।

5. भक्ति काल के भक्तिधाराओं एवं संप्रदायों की वैशिष्ट्यता को स्पष्ट कीजिए।

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

हिन्दी साहित्य का इतिहास

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1. निर्गुण भक्ति धारा के समाज सुधारकों की साहित्यसाधना की समीक्षा कीजिए।

2. रीतिकाल के विशिष्ट संप्रदायों एवं काव्य लेखन को समझाइए।

3. हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास की आलोचना कीजिए।

4. 'आधुनिक काल : वर्गीकरण एवं साहित्य सृजन' की समीक्षा कीजिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

   (a) केशव : काव्य

   (b) तुलसी : जीवनी

   (c) कुतुबन : चंदायन

   (d) महादेवी वर्मा : रहस्यवाद

(DHIND 02)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year

Hindi

THEORY OF INDIAN AND WESTERN LITERATURE

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1. रस निष्पत्ति के संदर्भ में आचार्यों के मतों का उल्लेख कीजिए।

2. ध्वनि का अर्थ, भेद एवं अन्य संप्रदायों के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

3. साधारणीकरण का अर्थ, उसकी प्राचीन एवं नवीन धारणाओं की समीक्षा कीजिए।

4. वक्रोक्ति की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप को रेखांकित कीजिए।

5. रिचर्ड्स के मूल्य एवं संप्रेषण की समालोचना कीजिए।

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year

Hindi

THEORY OF INDIAN AND WESTERN LITERATURE

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1. मार्क्सवादी साहित्य चेतना की आलोचना कीजिए।

2. रस और विरेचन सिद्धांत की तुलना कीजिए।

3. टी एस इलियट के काव्य सिद्धांतों की समीक्षा कीजिए।

4. यथार्थवाद की परिभाषाएँ एवं अवधारणाओं को सिद्ध कीजिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

   (a) खंडकाव्य : लक्षण

   (b) मुक्तक काव्य : रचना

   (c) कहानी : तत्व

   (d) रेखाचित्र : विधा

(DHIND03)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year

Hindi

OLD AND MEDIEVAL POETRY

प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

निम्नांकित किन्हीं की संदर्भ व्याख्या कीजिए।

1. (a) (i) कुसुमित कानन हेरि कमल मुखि, मूदि रहे दु नयान
कोकिल – कलृव, मधुकर – धुनिसुनि, कर देइ झांपइ कान।।
माधव, सुन-सुन वचन हमारा।
तुअ गुन सुंदरि अति भेल दूबरि-गुनि-गुनि प्रेम तोहारा।

(ii) तू तू करता तूँ भया, मुझ मैं रही न हूँ
वारी फेरी बलि गई, जित देखौं तित तूँ
मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा।
तेरा तुझकौ सौंपता, क्या लागै है मेरा।।

(b) (i) फागुन पवन झंकोरै बहा, चौगुन सीय जाइ किमि सहा।।
तन जस पियर पात भा मोरा, बिरह न रहे पवन होइ झोरा।
तरिवर झरै झरै बन ढाँख, भइ अनपत्त फूल फर सखा।।

(ii) कीट चीह चिक्कर करि कल्प भग्गे
मंद तंजियं लाज उमंग मग्गे
दौरि गज अन्ध चहुआंन केरो
घेरियं गिरद्दं चिंहाँ चक्क पेरो।

(c) (i) प्रेमरहित यह जोग कौन काज गायो?
दौन्न सों निठुर बचन कहे कहा पायो?
नयन्न निज कमलनयन सुंदर मुख हेरो।
मूँदन ते नयन कहत कौन ज्ञान तेरो?
तामें कहु मधुकर! हम कहाँ लैन जाहीं।

(ii) अगुन सगुन दुइ ब्रह्म स्वरूपा
अकथ अगाध अनादि अनुप।
मोरें मत बड नामु दुहू तें,
किए जेहिं जुग निज बस निज बूतें।

(d) (i) नहीं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं बिकास इहिं काल
अली कली ही सौ बंध्यौ, आगैं कौन हवाल
लिखन बैठी सबी गहि गहि गरूर
भए न केते जगत के, चतुर चितेरे कूर।

(ii) जग की कविताई के धोखें रहै, ह्याँ प्रबीननि की मति जाति जकी
समुझै कविता घनानंद की हिय आँखिन नेह की पीर तकी।।

2. आदिकाल के प्रसिद्ध कवियों एवं उनकी रचनाओं का व्यापक परिचय दीजिए।

3. निर्गुण एवं सगुण भक्ति धाराओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(DHIND03)

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year

Hindi

OLD AND MEDIEVAL POETRY

प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1. कबीर को वाणी का डिक्टेटर कहते हैं प्रामाणित कीजिए।
2. जायसी के प्रेम तत्व एवं रहस्य साधना की आलोचना कीजिए।
3. रामचरित मानस में व्यक्त सामाजिक समन्वयता की आलोचना कीजिए।
4. "पुष्टिमार्ग" के जहाज – सूरदास" का विवेचन कीजिए।
5. रीतिबद्ध कवियों की काव्य साधना का व्यापक परिचय दीजिए।
6. रीति मुक्त कवियों के रचना – उद्देश्य को समझाइए।
7. रासो साहित्य की समीक्षा कीजिए।

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year

Hindi

HINDI PROSE – DRAMA, NOVEL, STORIES AND ESSAY

हिन्दी गद्य : नाटक, उपन्यास, कहानी और निबंध

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1. निम्नांकित किन्हीं की संदर्भ व्याख्या कीजिए।

(a) (i) अब और क्या अनर्थ होगा दीदी! मैं तो फूँक-फूँक कर पाँव रखती हूँ; फिर भी अपयश लग ही जाता है। अभी घर में पाँव रखते देर नहीं हुई और यह हाल हो गया! ईश्वर ही कुशल करे।

(ii) एक अग्निमय गन्धक का स्रोत आर्यावर्त के लौह अस्त्रागार में घुसकर विस्पोट करेगा। चंचला रण-लक्ष्मि इन्द्र धनुससी विजयमाला हाथ में लिये उस सुन्दर नील-लोहित प्रलय-जलद में विचरण करेगी और वीर हृद्यमयी से नाचेंगे। तब आओ देवि! स्वागत !

(b) (i) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। जब पूज्य भाव की वृद्धि के साथ श्रद्धा भाजन के सामीप्य-लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव समझना चाहिए।

(ii) किसी भी साम्राज्य की सीमा तलवार से खींची जाती है और सीमा को स्थायी रखने के लिए उस रेखा में रक्त का रंग भरा जाता है।

(c) (i) हे मुनि! इस प्रकार घाव गिना-गिनाकर बानर जहाँ-तहाँ राज्य के उच्च पदों पर आसीन हो गए और बानर-वृत्ति के अनुसार राज्य करने लगे। कुछ काल तक अयोध्या में रामराज्य के स्थान पर वानर राज ही चला।

(ii) नई बदजात चोर बीतर में चिपा है! अम चार घंटे में पिर आता है। रुपिया लेकर जायेगा। रुपिया नई देगा, तो उसका खाल उतारकर बाजार में बेच देगा --- हमारा रुपिया क्या अराम का है?

(d) (i) वसिष्ठ का ब्राह्मण्त्व जब पीडित हुआ था, तब पल्लव, दरद, काम्बोज आदि क्षत्रिय बने थे। राजन् यह कोई नयी बात नहीं है।

(ii) काव्य का अनुशीलन करने वाले मात्र जानते हैं कि काव्य-सृष्टि सजीव दृष्टि तक ही बद्ध नहीं रहती। वह प्रकृति के उस भाग की ओर भी जाती है जो निर्जीव या जड कहलाता है।

2. हिन्दी उपन्यास विधा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डाली।

3. निर्मला उपन्यास की कथावस्तु एवं पात्रों का व्यापक परिचय दीजिए।

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year

Hindi

HINDI PROSE – DRAMA, NOVEL, STORIES AND ESSAY

हिन्दी गद्य : नाटक, उपन्यास, कहानी और निबंध

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1. चन्द्रगुप्त नाटक का तात्विक विवेचन कीजिए।

2. चिंतामणि निबंध में अंकित भाव एवं मनोविकारों को निरूपित कीजिए।

3. चारुमित्रा एवं मम्मी ठकुराइन की कथावस्तु की आलोचना कीजिए।

4. परदा एवं उसने कहा था कहानियों की रचना शीली को स्पष्ट कीजिए।

5. हिन्दी कहानी विधा का उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

6. हिन्दी रेखाचित्र विधा की साहित्यिक विशेषताओं को सिद्ध कीजिए।

7. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

    (a) जयशंकर प्रसाद : जीवनी

    (b) रामचंद्र शुक्ल : रचनाएँ

    (c) चिंतामणि : क्रोध

    (d) जयंत : प्रोफेसर

———————

(DHIND05)

ASSIGNMENT - 1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year

MODERN POETRY

आधुनिक कविता

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

निम्नांकित किन्हीं की संदर्भ व्याख्या कीजिए।

1. (a) (i) कौन हो तुम वसंत के दूत, विरस पतझड में अति सुकुमार ।
घन तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार।
नखत की आशा किरण समान, हृदय के कोमल कवि की कांता।
कल्पना की लघु लहरी दिव्य कर रही मानस हलचल शांत।।

(ii) दिवस का अवसान समीप था, गगन था कुछ लोहित हो चला।
तरु शिखा पर थी अब राजती, कमलिनी कुल दल्लभ की प्रभा।
विपिन बीच विहंगम वृन्द का, कलनिनाद विवद्धित था हुआ।
ध्वनिमयी विविधा विहगावली, उड रही नभ मंडल मध्य थी।।

(b) (i) देखा, है महाशक्ति रावण के लिए अंक।
लांछन को ले जैसे शशंक नभ में अशंक
हत मन्त्र-पूत शर संवृत्त करती बार-बार
निष्फल होते लक्ष्य पर क्षिप्र वार पर वार।

(ii) धर्म नीति, मर्यादा, यह सब हैं
केवल आडंबर मात्र, मैंने यह बार-बार देखा था।
निर्णय के क्षण में विवेक और मर्यादा
व्यर्थ सिद्ध होते आये हैं सदा
हम सब के मन में कहीं एक अन्ध गहर हैं।

(c) (i) कंकाल जाल जग में फैले
फिर नवल रुधिर, पल्लव लाली
प्रणों की मर्म से मुखरित
जीवन की मांसल हरियाली।

(ii) शव को दें हम रूप, रंग, आदर मानव का?
मान्व को हम कुत्सित चित्र बना दें शव का?
युग-युग के मृत आदर्शों के ताज मनोहर
मानव के मोहांध हृदय में किए हुए घर।

(d) (i) सौरस फैला विपुल धूप बन
मृदुल मोम सा घुल रे मृदु तन
दे प्रकाश का सिन्धु अपरिमित
तेरे जीवन का अणु गल गल
पुलक पुलक मेरे दीपक जल।

(ii) मैं सुनूँ, गुनू, विस्मय से भर आंकूं
तेरे अनुभव का एक एक अन्तः स्वर
तेरे दोलन की लोरी पर झूमू मैं तन्मय
गा तू: तेरी लय पर मेरी सांसें
भरें, पुरें, रीतें, विश्रांति पायें।

2. "आधुनिक" की परिभाषाएँ एवं वैचारिक पृष्टभूमि पर प्रकाश डालिए।

3. प्रियप्रवास काव्य वैशिष्ठ्यता को स्पष्ट कीजिए।

(DHIND05)

ASSIGNMENT - 2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MARCH 2023.

First Year

MODERN POETRY

आधुनिक कविता

MAXIMUM : 30 MARKS
ANSWER ALL QUESTIONS

1. कामायनी: श्रद्धा सर्ग में व्यापक भावपक्ष की समीक्षा कीजिए।
2. राम की शक्ति पूजा में प्रतीकात्मक उद्देश्य का निरूपण कीजिए।
3. "मैं नीर भरी दुख की बदली" में व्यक्त वेदना को रेखांकित कीजिए।
4. "अनल किरीट" में प्रतिपाद्य क्रांति-चेतना को सिद्ध कीजिए।
5. असाध्यवीणा की कथावस्तु एवं भावपक्ष की आलोचना कीजिए।
6. अंधायुग गीतिनाट्य का तात्विक विवेचन कीजिए।
7. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

   (a) जयशंकर प्रसाद : जीवनी।

   (b) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : रचनाएँ।

   (c) अज्ञेय: कविताएँ

   (d) नौका विहार : विशेषता।

———————